

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I--- व व 1

PART I-Section r

प्राविकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं> 177}

नई विल्ली, बुधवार, भगस्त 1, 1973/क्षावण 10, 1895

No. 177]

NEW DELHI, WEDNESDAY, AUGUST 1, 1973/SRAVANA 10, 1895

हम भाग में भिन्न पढ़5 संख्या दी जाती है जिससे कि यह भ्रालग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 1st August 1973

Subject.—Import Policy for Registered Exporters for the period April 1973—March 1974 (Amendment No. 32).

No. 124-ITC(PN)/73.—Attention is invited to the Import Policy for Registered Exporters as contained in the Import Trade Control Policy (Red Book—Volume II) for the period April 1973—March 1974, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 46-ITC(PN)/73, dated the 2nd April, 1973.

- 2. Paragraph 5 (b) in Part 'B'. in Section I, of the aforesaid policy, be amended to read as under:—
 - "(b) Supplies made by Indian firms against IBRD/IDA aided projects in India when such supplies are made under the procedure of international competitive bidding; and"

Note.—The above amendment will come into effect in respect of orders placed after the date of issue of this Public Notice.

S. G. BOSE MULLICK.

Chief Controller of Imports & Exports.

(103t)

वाशिष्य मंत्रालय

मार्वजनिक सूचना

श्रायात अ्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, 1 भ्रगस्त, 1973

विश्रय.--ग्रप्रैल, 1973-मार्च, 1974 श्रवधि के लिए पंजीकृत नियतिकों के लिए श्रायात नीति (संगोधन संख्या 32)।

सं० 124-ग्राई०टी०सी० (पोएन) / 73.—वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना संख्या 46-ग्राईटोसी (पोएन) / 73, दिनांक 2 ग्राप्रैल, 1973 के ग्रन्तर्गत ग्राप्रैल, 1973-मार्च, 1974 ग्रवधि के लिए प्रकाणित की गई ग्रायात व्यापार नियंत्रण नीति (रेडबुक-वा० 2) में पंजीकृत निर्यातकों के लिये यथा निहित ग्रायात नीति की श्रोर ध्यान दिलाया जाता है।

- 2. पूर्वाक्त नीति के खंड -1,भाग ''बी'' में पैरा 5(बी) को निम्नलिखित श्रनुसार पढ़ने के लिए संशोधित किया जाए :---
 - "(बी) " पुनर्निर्माण तथा विकास के श्रन्तर्राष्ट्रीय वैंक/श्रन्तर्राष्ट्रीय विकास अभिकरण द्वारा सहायता प्राप्त भारत की परियोजनाओं के प्रति भारतीय व्यवसाय मंघों द्वारा किए गए संभरण जबकि ऐसे संभरण श्रंतर्राष्ट्रीय प्राप्तियोगिक बोली की किया विधि के श्रन्तर्गत किए गए हों, श्रौर "
 - हिप्पणी -- उपर्युक्त संशोधन इस सार्वजनिक सूचना के जारी होने की तिथि के बाद दिए गृह श्रादेशों के सम्बन्ध में लाग होगा।

एस० जी० बोस मल्लिक, मुक्ष्य नियंस्रक, <mark>ग्रा</mark>यान निर्यात ।